R-241

M.P.A. Second Semester (Musicology) (ATKT/EX) Examination, 2019-2020

TAAL-HISTORICAL STUDY

Paper - First

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 70*

Minimum Marks : 25

नोटः खण्ड '**क**' के सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। खण्ड '**ख**' के किन्हीं *पाँच* प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। **[10×2= 20]**

खण्ड-क

1. मार्गी संगीत के साथ कौन-से ताल प्रयुक्त होते हैं।

2. सर्वप्रथम किस ग्रन्थ में देशी तालों का विवरण प्राप्त होता है?

3. आचार्य भरत के नाट्यशास्त्र में ताल से सम्बंधित अध्याय कौन-सा है?

4. पं. शार्ङ्गदेव कृत ग्रन्थ का नाम व ताल से सम्बन्धित अध्याय कौन-सा है?

5. संगीत राज ग्रन्थ किसके द्वारा रचित है?

6. 16 मात्राओं के किन्हीं 3 तालों के नाम लिखिए।

7. ध्रुवपद गायन के किन्हीं दो तालों के नाम लिखिए।

8. कनार्टक संगीत में प्रयुक्त होने वाले मुख्य तालों की संख्या कितनी है?

9. ख्याल गायन के किन्हीं दो तालों के नाम लिखिए।

10. रूपक ताल का ठेका लिखिए।

खण्ड-ब

नोट : किन्हीं ***पाँच*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। **[5×10=50]**

1. ताल के दस प्राणों को विस्तार से समझाइए।

2. आचार्य भरतमुनि कालीन ध्रुवगान में प्रयुक्त तालों की विवेचना कीजिए।

3. छन्द, लय एवं ताल पर एक निबन्ध लिखिए।

4. कर्नाटक संगीत में प्रयुक्त सप्तसुलादि तालों को विस्तार से समझाइए।

5. ध्रुवपद एवं ख्याल गायन शैलियों में प्रयुक्त तालों के अन्तरसंबंध को स्पष्ट कीजिए।

6. भारतीय संगीत के इतिहास को अपने शब्दों में लिखिए।

7. संगीत रत्नाकर ग्रन्थ के सातों अध्यायों का संक्षिप्त विवरण देते हुए भारतीय संगीत में इस ग्रन्थ के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

8. मार्ग तालों के एकल, द्विकल एवं चतुष्कल प्रकारों की चर्चा कीजिए।

◆◆◆